Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

अध्याय - 11 | : नर हो, न निराश करो मन को

QUIZ-01

1. मैथिलीशरण गुप्त किस काव्यधारा के प्रमुख कवि माने जाते हैं?
A. रीतिकालीन काव्यधारा
B. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा
C. भक्ति काव्यधारा
D. रहस्यवादी काव्यधारा
Answer: B
Explanation: गुप्तजी हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवि माने जाते हैं।

2. मैथिलीशरण गुप्त का जन्म किस वर्ष में हुआ था?
A. 1886
B. 1875
C. 1890
D. 1864
Answer: A
Explanation: उनका जन्म 1886 ई. में झाँसी के चिरगाँव में हुआ था।

3. 'भारतीय कृषक जीवन' का चित्रण किस कृति में मिलता है?
A. भारत-भारती
B. साकेत
C. किसान
D. यशोधरा
Answer: C
Explanation: 'किसान' खंडकाव्य भारतीय कृषक जीवन की करुण कथा प्रस्तुत करता है।

4. गुप्तजी को राष्ट्रकवि के रूप में स्थापित करने वाली कृति कौन-सी थी?
A. पंचवटी
B. द्वापर
C. साकेत
D. भारत-भारती
Answer: D
Explanation: 1912 में प्रकाशित 'भारत-भारती' ने उन्हें राष्ट्रकवि के रूप में प्रतिष्ठित किया।

5. कविता का मुख्य संदेश क्या है?
A. धन-संग्रह का महत्व
B. कर्मठता और निराशा-त्याग
C. सौन्दर्य की प्रशंसा
D. मित्रता का मूल्य
Answer: B
Explanation: कविता मनुष्य को कर्मठ होने और मन में निराशा न आने देने का संदेश देती है।

6. "कुछ काम करो, कुछ काम करो" पंक्ति मनुष्य को किस ओर प्रेरित करती है?
A. परिवार के प्रति निष्ठा
B. अपने नाम और कर्म से पहचान बनाने
C. धन कमाने
D. यात्रा करने
Answer: B
Explanation: कवि मनुष्य को जग में अपना नाम कमाने और जीवन सार्थक बनाने की प्रेरणा देता है।

7. "सु-योग" का अर्थ क्या है?
A. दुर्भाग्य
B. उचित अवसर
C. आराम
D. कठिनाई
Answer: B
Explanation: 'सु-योग' का अर्थ है — अच्छा एवं अनुकूल अवसर।

8. मनुष्य को निराश न होने का एक कारण कवि क्या बताता है?
A. धन की उपलब्धता
B. मित्रों की संख्या
C. अखिलेश्वर का अवलंब होना
D. संसार का असार होना
Answer: C
Explanation: कवि कहता है कि अखिलेश्वर मनुष्य का अवलंब है, इसलिए निराश नहीं होना चाहिए।

9. "स्वत्त्व-सुधा-रस" पीने से कवि का क्या आशय है?
A. शरीर का पोषण
B. अमरत्व का अनुभव
C. आत्म-महत्व को पहचानना
D. प्रतिष्ठा प्राप्त करना
Answer: C
Explanation: स्वत्त्व-सुधा-रस का अर्थ है — अपने स्वत्त्व (व्यक्तित्व/महत्व) को पहचानना।

10. मनुष्य की कौन-सी भावना 'मरणोत्तर गुंजित गान' पंक्ति से जुड़ी है?
A. कौशल
B. धन
C. कीर्ति
D. प्रेम
Answer: C
Explanation: मरणोपरांत भी गूंजने वाला गान मनुष्य की कीर्ति और अच्छी कर्मशीलता को दर्शाता है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App